From Usha R. Jain & Karine Schomer: Intermediate Hindi Reader
University of California 1999

४

कुछ व्रत-कथाएँ

करवा चौथ

(एक)

प्राचीन समय में करवा नाम की एक पतिव्रता स्त्री अपने पति के साथ नदी के किनारे रहती थी। एक दिन उसका पति नदी में नहाने गया। स्नान करते समय एक मगर ने उसका पैर पकड़ लिया। उसने पास के एक पेड़ को पकड़ लिया और अपनी पत्नी करवा को ज़ोर-ज़ोर से पुकारने लगा। उसकी आवाज़ सुनकर करवा दौड़ते हुए आई और आकर उसने मगर को कच्चे धागे से बाँध दिया। मगर को बाँधकर वह यमराज के यहाँ पहुँची और यमराज से कहने लगी, "हे भगवान ! मगर ने मेरे पति के पैर को पकड़ लिया है। आप अपने बल से मगर को यमलोक में ले जाइये और मेरे पति को दीर्घायु दीजिये।" यमराज बोले, "अभी मगर की आयु शेष है। इसलिए मैं उसको मार नहीं सकता।" इस पर करवा ने कहा, "अगर आप ऐसा नहीं करेंगे, तो मैं आपको शाप देकर नष्ट कर दूँगी।" पतिव्रता करवा की यह बात सुनकर यमराज डर गये। वे तुरंत करवा के साथ आये। उन्होंने उसके पति को मगर से छुड़ाकर दीर्घायु दी और मगर को यमलोक भेज दिया। चलते समय यमराज ने करवा को सुख-समृद्धि दी और यह वर भी दिया कि जो स्त्रियाँ इस दिन व्रत करेंगी, उनके सौभाग्य की मैं रक्षा करूँगा।

उसी दिन से यह करवा चौथ मनाई जाती है और व्रत रखा जाता है।

(दो)

सात भाइयों की बहन अपने भाइयों को बहुत प्यारी थी। वह अकेली बहन अपने सातों भाइयों की आँख की पुतली थी। करवा चौथ का दिन आया। सातों भाइयों की पत्नियों ने व्रत रखा। बहन ने भी व्रत किया। इस व्रत में सौभाग्यवती स्त्री को चंद्रमा के दर्शन से पहले कुछ नहीं खाना चाहिये। शाम होने पर भाइयों ने देखा कि बहन का मुँह

कुम्हला गया है, होंठ सूख गये हैं। भाई अपनी प्यारी बहन की इस दशा को देख न सके। इसलिए उन्होंने झूठ ही कह दिया, "चंद्रमा निकल आया है। सब लोग पूजा करके पानी पी लो।" उनकी पत्नियों ने कहा, "जब तक हम स्वयं चंद्रमा के दर्शन नहीं करेंगी, तब तक हम पानी नहीं पिएँगी। तुम चाहो, तो अपनी बहन को पानी पिला दो।"

इस पर भाइयों ने एक योजना बनाई। एक भाई जलता हुआ दिया और चलनी लेकर घर के सामनेवाले नीम के पेड़ पर चढ़ गया। उसने दिये को चलनी के पीछे कर लिया। चलनी से छनकर गोलाकार रोशनी नीम की पत्तियों पर पड़ने लगी। बाक़ी भाइयों ने कहा, "देखो! चंद्रमा नीम के पीछे है। तुम लोग अब पानी पी लो।" और स्त्रियों ने तो विश्वास नहीं किया पर बहन ने विश्वास कर लिया। बहन ने जल्दी-जल्दी पूजा की और कुछ खाकर पानी पी लिया। इसी दोष से उसका पति मर गया।

जब लोगों को सब बात मालूम हुई, तब उन्होंने बहन से कहा, "अनजाने में तुमने चंद्रमा के दर्शन किये बिना पानी पी लिया। इसी वजह से तुम्हारा पति मर गया। अब तुम अपने पति के शरीर को सुरक्षित रखो। अगले वर्ष जब करवा चौथ फिर आएगी, तब विधिपूर्वक व्रत करना। करवा चौथ की कृपा से तुम्हें अपना पति अवश्य वापस मिलेगा।"

दूसरे वर्ष हमेशा की तरह फिर करवा चौथ आई। इस बार बहन ने विधिपूर्वक व्रत किया और जब चंद्रमा निकलकर डूबने जा रहा था तभी उसने पूजा करके पानी पिया। व्रत के प्रताप से बहन को अपना पति फिर से मिल गया और वह सुख से रहने लगी।

भैया दूज

(एक)

बहुत दिन पहले की बात है कि सूर्य भगवान की पत्नी संज्ञा की दो संतानें हुईं। लड़के का नाम यमराज था और लड़की का नाम यमुना था। अपने पति सूर्य की तेज़ गर्मी के कारण संज्ञा उत्तरी ध्रुव में छाया बनकर रहने लगी। छाया के रूप में उसने ताप्ती नदी, शनिश्चर और अश्विनी कुमार को जन्म दिया। छाया की देह में होने के कारण, संज्ञा यमुना और यमराज से सौतेली माँ की तरह व्यवहार करने लगी। उससे दुखी होकर

यमराज ने यमलोक बसाया और पापियों को दंड देने का काम शुरू किया। जब यमुना ने देखा कि भाई यमराज चले गये हैं, तो वह भी चली गई और ब्रजभूमि में आकर मथुरा के विश्रांत घाट पर रहने लगी।

बहुत समय बाद यमराज को अपनी बहन की याद आई। उन्होंने यमुना को ढूँढ़ने के लिए अपने दूत भेजे। यमदूत ढूँढ़ते-ढूँढ़ते मथुरा पहुँचे, लेकिन यमुना ने उनसे मिलना स्वीकार नहीं किया। तब लज्जित होकर यमराज स्वयं यमुना बहन के घर विश्रांत घाट पर आये। जब यमुना ने सुना कि भाई आये हैं, तो वह दौड़कर बाहर आई। वह भाई को बहुत आदर से अपने घर में ले गई और वहाँ भोजन आदि से उनका सत्कार किया। उससे प्रसन्न होकर यमराज ने यमुना से कोई वर माँगने को कहा। यमुना ने कहा, "जो भी मेरे जल में नहाए, वह यमलोक न जाए।" यह सुनकर यमराज ने घबराकर कहा, "यमुना, तू तो हज़ारों कोस बहती है। तेरे जल में नहानेवाले सब लोग अगर मेरे लोक में न आएँ, तो मेरा लोक उजड़ जाएगा।" इस पर यमुना बोली, "अगर तुम ऐसा नहीं कर सकते हो, तो यह वर दो कि जो भाई आज के दिन बहन के घर भोजन करे और बहन के साथ इसी घाट पर मेरे जल में स्नान करे, वह यमलोक न जाए।" प्रसन्न होकर यमराज ने कहा, "यह बात मुझे स्वीकार है।"

तभी से भैया दूज का त्यौहार मनाया जाता है। इस दिन अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर और उनको भोजन कराकर बहनें उनकी दीर्घायु की प्रार्थना करती हैं।

(दो)

एक भाई और एक बहन थे। बहन का विवाह बहुत दूर हुआ था। भैया दूज का दिन आया। भाई माँ से बोला, "माँ, सब तैयारी कर दो। मैं बहन के घर भैया दूज का तिलक लगवाने के लिए जाऊँगा। नहीं तो, बहन बहुत दुखी होगी।" माँ कभी पूजा-पाठ नहीं करती थी, जिसके कारण सब देवी-देवता उससे अप्रसन्न थे। इसलिये भाई जब सामान बाँधकर चला, तब रास्ते में नाग-नागिन उसको काटने के लिए दौड़े। भाई ने उनसे प्रार्थना की, "जब मैं बहन के घर से लौटूँगा, तब जो चाहो, करना।" जंगल में बाघ - बाघिन उसे खाने को लपके। उनसे भी उसने यही प्रार्थना की, "जब मैं बहन के घर से

लौटूँगा, तब जो चाहो, करना।" आगे चलकर हरहराती गंगा-यमुना मिलीं। वे भाई को अपनी लहरों में डुबाने को तैयार थीं। उनसे भी भाई ने यही प्रार्थना की, "जब मैं बहन के घर से लौटूँगा, तब जो चाहो, करना।"

इस तरह सब मुसीबतों को टालता हुआ भाई अपनी बहन के घर पहुँचा। बहन ने जल्दी-जल्दी उसके लिए खीर-पूरी बनाई। तिलक लगाकर उसने भाई को बहुत प्यार से खीर-पूरी खिलाई। भाई खा-पीकर लौट चला। एक पूरी बच गई थी। बहन ने वह पूरी कुत्ते के आगे डाल दी। कुत्ता पूरी खाते ही ऐंठ गया। बहन ने डरकर कहा, "हे भगवान! यह क्या हुआ? मेरे भाई का भी कहीं ऐसा ही हाल न हो!" वह नंगे पाँव अपने भाई को ढूँढ़ने के लिए बाहर भागी। थोड़ी ही दूर पर उसने देखा कि उसका भाई पेड़ के नीचे ऐंठा पड़ा है। बहन वहीं बैठकर रोने लगी।

उधर से शिव-पार्वती जा रहे थे। पार्वती जी ने पूछा, "क्या हो गया, बेटी?" बहन ने कहा, "क्या बताऊँ, पार्वती माँ! मेरा भाई आज भैया दूज के दिन मेरी खीर-पूरी खाकर मर गया है। अब क्या करूँ?" पार्वती जी को बहन पर दया आ गई। उनके आग्रह से शिव जी ने भाई को फिर से जीवित कर दिया।

भाई आँखें मलता हुआ उठा और बोला, "आज मैं बहुत सोया।" तब बहन ने उसे सारी बात सुनाई और बताया कि शिव-पार्वती की कृपा से वह बच गया। भाई ने कहा, "यहाँ तो तुमने मुझे बचा लिया, लेकिन यहाँ से घर तक कौन बचाएगा?" जब बहन ने रास्ते का सारा हाल सुना तो वह भाई से बोली, "तुम मेरे घर लौटकर चलो। मैं तुम्हारे साथ चलूँगी।" घर आकर उसने कुछ सामान तैयार किया : नाग-नागिन के लिए दूध, बाघ-बाघिन के लिए मांस, गंगा-यमुना के लिए चुनरी और पियरी।

सब सामान लेकर वह अपने भाई के साथ चली। रास्ते में जो-जो मिला, सबकी पूजा की। नाग-नागिन को दूध और बाघ-बाघिन को मांस दिया। गंगा-यमुना को चुनरी और पियरी चढ़ाई। सभी बहुत प्रसन्न हुए। इस तरह वह अपने भाई को बचाकर घर लाई और अपनी माँ से बोली, "माँ, तुम्हारे पूजा-पाठ न करने से आज भाई को बहुत मुसीबतों का सामना करना पड़ा। लेकिन भगवान की कृपा से सब टल गई।" सब बात सुनकर माँ ने लड़की की बहुत प्रशंसा की और तब से सभी देवी-देवताओं की पूजा करने लगी।

कुछ व्रत-कथाएँ

करवा चौथ

(एक)

व्रत *	M	vow; religious fast (Hindu)
व्रत-कथा	F	story told on the occasion of a religious fast
व्रत करना	Tr	to fast
व्रत रखना	Tr	to keep a fast
करवा	P.N. (F)	Karva, name of a woman
चौथ	F	fourth day of the lunar fortnight
प्राचीन	A	ancient
पतिव्रता	A/F	faithful to her husband (said of a wife); faithful wife
स्नान	M	bath
स्नान करना	Tr	to bathe
मगर *	M	crocodile
पैर *	M	foot; leg
ज़ोर *	M	force
ज़ोर से	Adv	with force; loudly
पुकारना	Tr	to call, to cry out
दौड़ना *	Intr	to run
धागा	M	thread
कच्चा धागा	M	weak thread
बाँधना *	Tr	to tie, to tie up

यमराज	P.N.(M)	Yama, the Hindu god of death
के यहाँ *	Post	at the place/home of (someone)
बल	M	strength, power
यमलोक	M	Yama's world, the world of the dead
आयु	F	age, life span
दीर्घायु	F	long life, longevity
शेष	A	remaining, left
शाप	M	curse
नष्ट	A	destroyed
नष्ट करना	Tr	to destroy
छुड़ाना	Tr	to release, to set free
सुख *	M	happiness, joy; contentment
समृद्धि	F	prosperity
वर	M	boon
सौभाग्य	M	good fortune; the state of a woman whose husband is alive
मनाना *	Tr	here: to celebrate, to observe (a custom, tradition, festival, etc.)

(दो)

प्यारा *	A	beloved, dear
अकेला *	A	alone; sole, only

आँख की पुतली	F	'the pupil of the eye', i.e., the apple of a person's eye, the pet, the darling
सौभाग्यवती	A (F)	fortunate (refers specifically to the good fortune of a woman whose husband is alive)
चंद्रमा	M	moon
दर्शन	M	sight, view, appearance; view of a revered or holy place, person or object
X का दर्शन करना	Tr	to have a view of X (a revered or holy place, person or object)
मुँह *	M	mouth; face
कुम्हलाना	Intr	to fade, to wither, to lose luster
होंठ / ओंठ *	M	lip
सूखना	Intr	to become dry
दशा	F	condition, state
निकलना *	Intr	to come out
पूजा	F	worship
पूजा करना	Tr	to worship, to perform a religious ceremony
पिलाना	Tr	to make someone drink
योजना	F	plan, scheme

जलना *	Intr	to burn
दिया	M	lamp
चलनी / छलनी	F	sieve
नीम (का पेड़)	M	the neem (margosa) tree
चढ़ना *	Intr	to go up, to climb
छनना	Intr	to be filtered
गोलाकार	A	round, spherical
रोशनी	F	light
पत्ती	F	leaf
पड़ना *	Intr	to fall; to lie (down)
बाक़ी *	A	remaining; the rest of
और *	A	other
पर *	Conj	but
विश्वास	M	belief; confidence; faith
विश्वास करना	Tr	to believe
दोष	M	fault, mistake
अनजाने (में)	Adv	unknowingly, unwittingly
(के) बिना	Post	without
सुरक्षित	A	well-protected, safe, secure
वर्ष	M	year
विधि	F	law, rule, prescribed act
विधिपूर्वक	Adv	duly, according to prescription
कृपा *	F	grace, favor; kindness
अवश्य	Adv	certainly
वापस मिलना	Ind. Intr	to get back

डूबना	Intr	to sink, to set (sun, moon, stars)
प्रताप	M	glory; grace

भैया दूज
(एक)

भैया	M	brother
दूज	F	second day of the lunar fortnight
सूर्य	P.N. (M)	Surya, the sun god
भगवान	M	Lord
संज्ञा	P.N. (F)	Sanjna, the wife of Surya
संतान	F	offspring
यमराज	P.N. (M)	Yama, the Hindu god of death
यमुना	P.N. (F)	Yamuna, the Yamuna River
तेज़	A	sharp, acute; here: fierce
उत्तरी ध्रुव	M	the north pole
छाया	F	shade, shadow
बनना *	Intr	to become
ताप्ती (नदी)	P.N. (F)	the Tapti River
शनिश्चर	P.N. (M)	the planet Saturn
अश्विनी कुमार	P.N. (M pl)	the Ashwins, twin deities who appear before dawn in a horse-drawn carriage and are the physicians of the gods

जन्म *	M	birth
जन्म देना	Tr	to give birth
देह	F	body
सौतेली माँ	F	stepmother
व्यवहार	M	behavior
व्यवहार करना	Tr	to behave
दुखी *	A	unhappy, sad
यमलोक	M	Yama's world, the world of the dead
बसाना	Tr	to found (a settlement)
पापी	M	sinner
दंड	M	punishment
दंड देना	Tr	to punish
बृजभूमि	F	the tract of land around and near Mathura where Lord Krishna is supposed to have been raised
मथुरा	P.N. (M)	Mathura, city on the Yamuna River sacred to Krishna
घाट	M	ghat (steps going down into a river), bathing place on the bank of a river, wharf
विश्रांत घाट	P.N. (M)	Vishrant Ghat, name of a ghat in Mathura
दूत	M	messenger
यमदूत	M	messenger of Yama
स्वीकार	A	accepted

स्वीकार करना	Tr	to accept
X को स्वीकार होना	Intr	to be acceptable to X
लज्जित	A	ashamed
आदर *	M	respect
भोजन	M	food, meal
भोजन करना	Tr	to eat a meal, to have a meal
आदि *	Adv	et cetera (etc.)
सत्कार	M	hospitality, welcome
X का सत्कार करना	Tr	to welcome X
प्रसन्न *	A	happy, pleased
वर	M	boon
माँगना *	Tr	to ask for (something)
जल	M	water
घबराना *	Intr	to be upset; to worry; to be nervous
हज़ार *	A	one thousand, 1000
कोस	M	kos, a measurement of distance equivalent to two miles
बहना *	Intr	to flow
लोक	M	world
उजड़ना	Intr	to be/to become deserted
आज के दिन	Adv	today, on this day
त्यौहार *	M	festival
माथा	M	forehead
तिलक	M	tilak (an ornamental religious marking put on the forehead)

लगाना *	Tr	to affix, to apply

(दो)

विवाह	M	marriage
तैयारी *	F	preparation
तैयारी करना	Tr	to prepare
X लगवाना	Tr	to have someone affix/apply X
पाठ	M	lesson; reading (of religious books)
पूजा-पाठ करना	Tr	to worship and read religious books
देवता *	M	god
अप्रसन्न	A	unhappy, displeased
नाग	M	snake
नागिन	F	female snake
काटना	Tr	to bite
बाघ	M	tiger
बाघिन	F	female tiger
लपकना	Intr	to rush forth, to spring
आगे चलकर	Adv	further on
हरहराना	Intr	to ripple
गंगा	P.N. (F)	the Ganga (Ganges) River
लहर	F	wave
डुबाना	Tr	to immerse; to drown
मुसीबत *	F	trouble, difficulty

टालना	Tr	to postpone, to put off
खीर	F	kheer (a kind of sweet pudding)
पूरी	F	puri (a kind of wheat bread fried in oil)
खिलाना	Tr	to feed
बचना	Intr	to be saved; to remain, to be left over
डालना *	Tr	to put in; to pour; to drop
ऐंठना	Intr	to become rigid, to stiffen
हाल *	M	condition, state; account
नंगा	A	naked, bare
नंगे पाँव	A	barefooted
शिव	P.N. (M)	the god Shiva
पार्वती	P.N. (F)	Parvati, Shiva's consort
दया	F	compassion, mercy
X पर दया आना	Ind. Intr	to feel compassion for X
आग्रह	M	insistence
जीवित	A	alive
मलना	Tr	to rub
मांस *	M	meat
चुनरी	F	chunari (long scarf; here: a red scarf)
पियरी	F	piyari (a particular type of yellow sari)
पूजा *	F	worship
X की पूजा करना	Tr	to worship X

चढ़ाना	Tr	to raise, to cause to go up; here: to make an offering (to a deity)
सामना	M	confrontation
X का सामना करना	Tr	to confront X
टलना	Intr	to be avoided, to be postponed, to be put off
प्रशंसा	F	praise
X की प्रशंसा करना	Tr	to praise X